

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -28

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 12 मार्च से 18 मार्च 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

बड़े राज्यों को पछाड़कर बना नंबर-वन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दी बधाई

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के क्रियान्वयन की फरवरी 2026 की स्टेट-वाइज राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने बड़े राज्यों की श्रेणी में देश में पहला स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। राज्य ने अन्य बड़े राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।

जारी रैंकिंग के अनुसार छत्तीसगढ़ ने 93.37 प्रतिशत नामांकन, 83.87 प्रतिशत स्वीकृति दर और 93.95 प्रतिशत शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं 30 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की दर मात्र 7.07 प्रतिशत और लंबित शिकायत दर 4.96 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो योजना के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ ने पिछले माह की तुलना में 6 स्थानों की छलांग लगाकर पहला स्थान प्राप्त किया है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनवाड़ी



कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों

का प्रमाण है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए विभागीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण ही छत्तीसगढ़ आज देश के अग्रणी राज्यों में

शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय, प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्यशैली के परिणामस्वरूप ही राज्य यह मुकाम हासिल कर पाया है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग भविष्य में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए इस प्रथम स्थान को बनाए रखेगा तथा प्रदेश की प्रत्येक पात्र गर्भवती महिला तक योजना का लाभ समय पर पहुंचाएगा। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक प्रदेश में 1,86,586 गर्भवती महिलाओं का प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पंजीकरण किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा अब तक 72 करोड़ 24 लाख 89 हजार रुपये की राशि सीधे पात्र हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिली है और छत्तीसगढ़ देश के सामने एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

बस्तर में बंदूक हार रही है, विश्वास जीत रहा है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

जगदलपुर में 3.29 करोड़ के इनामी 108 सशस्त्र माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 44 महिला कैडर भी शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर क्षेत्र में माओवादी हिंसा के खिलाफ चल रही मुहिम को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि अब बस्तर में बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की जीत हो रही है। उन्होंने कहा कि जगदलपुर में 3.29 करोड़ के इनामी 108 सशस्त्र माओवादी कैडरों द्वारा हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बस्तर में शांति, सुशासन और विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले इन माओवादी कैडरों में 44 महिला माओवादी भी शामिल हैं। यह दर्शाता है कि बस्तर के लोगों में अब विकास और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति, सुरक्षा बलों के समन्वित प्रयासों तथा बस्तर क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों के कारण बड़ी संख्या में माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। इससे बस्तर में शांति का वातावरण मजबूत हो रहा है और आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों के साहस, प्रशासन के प्रयासों तथा स्थानीय लोगों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग अब भय और हिंसा से मुक्त होकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में नवसत्तवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय करते हुए नवसत्तवाद के पूर्ण खतमे की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रही है।

पूनम जायसवाल ने 20 महिलाओं को दिया रोजगार, बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

किराये के भवन से शुरू हुआ राफ़ अब प्राइवेट लिमिटेड की ओर; शासन की औद्योगिक नीति ने दी उड़ान

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। अम्बिकापुर की श्रीमती पूनम जायसवाल ऐसी ही एक प्रेरणापुंज हैं, जिन्होंने न केवल अपनी पारिवारिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि आज 20 से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर 'नारी सशक्तिकरण' के संकल्प को धरातल पर उतारा है।

संघर्ष से सफलता तक: निजी संसाधनों से रखी नींव

श्रीमती पूनम जायसवाल ने बताया कि उनके उद्यमिता के सफर की शुरुआत वर्ष 2000 में एक छोटे से किराये के भवन और सीमित निजी संसाधनों से हुई थी। आर्थिक चुनौतियां बड़ी थीं, लेकिन हौसला कम नहीं हुआ। वर्ष 2013-14 में छत्तीसगढ़



शासन की नीतियों के फलस्वरूप उन्हें 99 वर्ष की लीज पर औद्योगिक भूमि प्राप्त हुई। बैंक से ऋण लेकर उन्होंने अपने कार्य को गति दी और आज उनका यह लघु उद्योग एक सफल इकाई के रूप में स्थापित हो चुका है। श्रीमती पूनम का उद्देश्य केवल स्वयं का विकास नहीं, बल्कि समाज की

जरूरतमंद महिलाओं को साथ लेकर चलना रहा है। उन्होंने बताया कि, मेरे उद्योग में आज 20-22 बहनें कार्य कर रही हैं, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण सुचारू रूप से कर पा रही हैं। अब उनका लक्ष्य अपने इस उद्यम को 'प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के रूप में विकसित

करना है, ताकि अधिक से अधिक महिला उद्यमियों को जोड़ा जा सके।

अपनी सफलता का श्रेय छत्तीसगढ़ शासन और जिला उद्योग केंद्र को देते हुए श्रीमती जायसवाल ने कहा कि शासन द्वारा प्रदान की गई भूमि और समय-समय पर मिले मार्गदर्शन ने उनके मार्ग को प्रशस्त

किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की 'नई उद्योग नीति' की सराहना करते हुए कहा कि लागत पूंजी पर मिलने वाले प्रोत्साहन और सब्सिडी के कारण महिलाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खुले हैं।

आधी आबादी की शक्ति से बढ़ेगा देश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि, देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या महिलाओं की है। जब महिलाएँ आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी बनेंगी, तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के विजन और छत्तीसगढ़ शासन के 'रोजगार प्रोत्साहन' कार्यक्रमों को महिला सशक्तिकरण का मुख्य आधार बताया। श्रीमती पूनम अन्य महिलाओं से अपील की कि वे शासन की योजनाओं, सब्सिडी और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक बनें और रोजगार के अवसरों का लाभ उठाकर स्वयं उद्यमी बनें।

नारी शक्ति से औद्योगिक प्रगति: पूनम जायसवाल ने 20 महिलाओं को दिया रोजगार, बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल



रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज उन महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं, जिन्होंने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है। अम्बिकापुर की श्रीमती पूनम जायसवाल ऐसी ही एक प्रेरणापुंज हैं, जिन्होंने न केवल अपनी पारिवारिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि आज 20 से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर 'नारी सशक्तिकरण' के संकल्प को धरातल पर उतारा है। श्रीमती पूनम जायसवाल ने बताया कि उनके उद्यमिता के सफर की शुरुआत वर्ष 2000 में एक छोटे से किराये के भवन और सीमित निजी संसाधनों से हुई थी। आर्थिक चुनौतियां बड़ी थीं, लेकिन हौसला कम नहीं हुआ। वर्ष 2013-14 में छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के फलस्वरूप उन्हें 99 वर्ष की लीज पर औद्योगिक भूमि प्राप्त हुई। बैंक से ऋण लेकर उन्होंने अपने कार्य को गति दी और आज उनका यह लघु उद्योग एक सफल इकाई के रूप में स्थापित हो चुका है। श्रीमती पूनम का उद्देश्य केवल स्वयं का विकास नहीं, बल्कि समाज की जरूरतमंद महिलाओं को साथ लेकर चलना रहा है।

किसानों के सम्मान और पारदर्शी डिजिटल प्रणाली से सफल हुआ धान खरीदी का महाअभियान: खाद्य मंत्री बघेल

सुखद 3.5 प्रतिशत पर नियंत्रित

विगत तीन वर्षों में 437 लाख मीट्रिक टन धान खरीदकर छत्तीसगढ़ ने रचा नया कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ का साय मॉडल: धान खरीदी और किसान खुशहाली में बना देश का नंबर-1 राज्य



लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी को मिलाते हुए पिछले तीन खरीफ सीजन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान खरीद कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे किसानों के खाते में लगभग 1 लाख 40 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान हुआ है। उक्त बातें खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का "साय मॉडल" धान खरीदी और किसान खुशहाली में देश का नंबर-1 राज्य है। अब छत्तीसगढ़ धान का कटोरा के साथ-साथ न्याय का कटोरा के रूप में स्थापित हो रहा है। खाद्य मंत्री ने कहा कि यह बताने में उन्हें कोई हर्ज नहीं है कि अब छत्तीसगढ़ अन्रदाताओं को

फसल का वाजिब कीमत देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी और कपास जैसे फसलों को भी कृषक उन्नति योजना में शामिल किया गया है। कृषक उन्नति योजना के लिए इस बजट में 10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 25.49 लाख किसानों से 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी। जिनका निराकरण लगभग पूर्णतः की ओर है। वर्तमान में संग्रहण केंद्रों में 1.60 लाख टन धान और 67 हजार टन उपार्जन केन्द्र में शेष है, जो कुल खरीदी का 3 प्रतिशत से भी कम है। केन्द्र सरकार द्वारा धान निराकरण की समयवधि 30 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की जा रही है। चालू खरीफ सीजन 2025-26 में 25.24 लाख से अधिक किसानों से पारदर्शिता के साथ 142 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।

बिहान से बदली जिंदगी, मजदूरी करने वाली महिला बनीं डिजिटल लोक सेवा केंद्र संचालक



महेश्वरी दीदी ने तीन गुना बढ़ाई अपनी आय, बनी 'लखपति दीदी'

रायपुर। कल तक जो हाथ सिर्फ मजदूरी के लिए उठते थे, आज वही हाथ डिजिटल क्रांति और ग्रामीण व्यापार की कमान संभाल रहे हैं। जिला कबीरधाम की श्रीमती महेश्वरी साहू ने यह साबित कर दिया है कि यदि दृढ़ निश्चय और सही अवसर मिले, तो एक ग्रामीण महिला भी अपने परिवार को तकदीर बदल सकती है। जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहड़िया की रहने वाली महेश्वरी दीदी का जीवन कभी संघर्षों और अभावों के बीच बीतता था। समूह से जुड़ने से पहले वह केवल मजदूरी और छोटी-मोटी खेती पर निर्भर थीं,

जिससे उनकी वार्षिक आय मात्र 50 हजार रुपये हो पाती थी। इस सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की शिक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। महेश्वरी दीदी के जीवन में परिवर्तन का नया सवेरा तब आया जब उन्होंने 'जय माँ लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह' की सदस्यता ली। 'बिहान' योजना के माध्यम से समूह की बैठकों में शामिल होकर उन्हें न केवल वचत का महत्व समझ आया, बल्कि सरकारी योजनाओं और बैंक ऋण की प्रक्रियाओं को भी जानकारी मिली। समूह के माध्यम से उन्हें चक्रीय निधि और सामुदायिक निवेश कोष जैसी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने व्यवसाय विस्तार के लिए 25 हजार रुपये का बैंक ऋण भी प्राप्त किया।

मेहनत से लिखी सफलता की कहानी



सब्जी उत्पादन से आरती की सालाना आय पहुंची 1.13 लाख

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनपद पंचायत भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कुवांरी की निवासी श्रीमती आरती सिंह ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। सीमित संसाधनों और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज वे गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं।

श्रीमती आरती सिंह मां महामाया स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और इस राशि का उपयोग सब्जी उत्पादन शुरू करने में किया। शुरुआत में छोटे स्तर पर शुरू किया गया यह प्रयास आज एक सफल आजीविका में बदल चुका है।

विभिन्न सब्जियों की खेती से बढ़ी आय

आरती अपने खेत में गोभी, टमाटर, आलू, प्याज, बैंगन, लहसुन और मटर जैसी विभिन्न सब्जियों का उत्पादन करती हैं।

इसके साथ ही वे गेहूं की खेती भी करती हैं। मौसम के अनुसार फसल परिवर्तन और मेहनत के कारण उनकी सब्जियों की गुणवत्ता बेहतर रहती है, जिससे गांव के साथ-साथ आसपास के बाजारों में भी उनकी सब्जियों की अच्छी मांग बनी रहती है।

लगातार परिश्रम और खेती को बेहतर योजना के कारण आज सब्जी उत्पादन और कृषि से उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख 13 हजार 10 रुपये तक पहुंच गई है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनके जीवन में आत्मविश्वास व सम्मान भी बढ़ा है। अब वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रयासरत हैं।

श्रीमती आरती की यह सफलता कहानी केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनकी सफलता को देखकर कई महिलाएं भी स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो रही हैं। इससे गांव में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिल रही है।

UPSC की तपस्या से खाकी का गौरव : जब खुली जीप में निकलीं IPS दर्शना, तो हर आँख में गर्व और हर जुबां पर था वंदे मातरम

जनकपुर

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्र चांग भखार की माटी ने आज एक नया इतिहास रचा है। जनकपुर की गलियों में पत्नीबद्ध दर्शना सिंह (ग्रेसी) ब्रह्म से 383वीं रैंक हासिल की, तो स्वागत ऐसा था जिसे सदियों तक याद रखा जाएगा। यह केवल एक बेटी का स्वागत नहीं था, बल्कि उन हजारों सपनों का उत्सव था जो छोटे शहरों की तंग गलियों से निकलकर आसमान छूने का माढ़ रखते हैं।

फू लों की बारिश और ऑटोग्राफ की होड़: रोल मॉडल बर्नी 'दर्शना दीदी'-सोमवार को जनकपुर की सड़कें फूलों से पट गईं। खुली गाड़ी में अपने पिता अरुण सिंह और माता सीमा सिंह के साथ सवार दर्शना का रोड शो जहाँ जहाँ से गुजरा, वहाँ जनसैलाब



उमड़ पड़ा। लोग छतों से फूल बरसा रहे थे, माताएं आरती उतार रही थीं और युवा 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे। सबसे भावुक दृश्य तब दिखा जब स्कूली बच्चे अपनी 'दर्शना दीदी' की एक झलक पाने के लिए बेकाबू हो गए। कोई ऑटोग्राफ मांग रहा था तो कोई बस उन्हें छूकर यह यकीन करना चाहता था कि मेहनत से IPS का पद भी पाया जा सकता है।

सत्ता के शीर्ष से मिला आशीर्वाद: मुख्यमंत्री और

मंत्रियों ने कहा- 'छत्तीसगढ़ का गौरव'-दर्शना की सफलता की चमक इतनी तेज थी कि प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल और दिग्गज नेत्री रेणुका सिंह ने खुद वीडियो कॉल कर बटिया को बधाई दी। प्रशासनिक गलियारों के बड़े अप्सर और जनप्रतिनिधि उनके घर पहुंचकर इस 'बेटियों की जीत' के साक्षी बने।

पार्षद माँ का गौरव: मेरी जीत से बड़ी है बेटी की सफलता। एक



माँ के लिए इससे बड़ा दिन प्या होगा? दर्शना की माँ सीमा सिंह, जो स्वयं भाजपा पार्षद हैं, जनसमर्थन के इस सैलाब को देख भावुक हो उठीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब

वे पार्षद का चुनाव जीती थीं, तब भी ऐसा हुजूम और ऐसा प्रेम नहीं देखा था। आज बेटी की उपलब्धि ने पूरी चांग भखार की जनता को एक सूत्र में पिरो दिया है।

भाजपा का नया नारा - 'हमने उगाया है, हम ही उजाड़ेंगे' अफीम कांड पर विधायक शेषराज हरबंश का करारा कटाक्ष

संवारने का दावा करने वाली भाजपा के राज में नेताओं के खेत लहलहा रही अफीम, विधायक ने पूछा : यही है आपका सुशासन?

पामगढ़

विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की मुखर विधायक शेषराज हरबंश ने प्रदेश की कानूनव्यवस्था और सत्ताधारी दल के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए सीधा हमला बोला है। भाजपा के प्रसिद्ध नारे 'हमने बनाया है, हम ही संवारींगे' पर तंज कसते हुए विधायक हरबंश ने कहा कि वर्तमान हालातों को देखकर लगता है कि भाजपा का नया एजेंडा 'हमने (नशा) उगाया है, हम ही (युवा पीढ़ी को) उजाड़ेंगे' बन चुका है।

सत्ता के संरक्षण में 'अफीम की महक'-विधायक शेषराज हरबंश ने भाजपा नेता विनायक



ताम्रकार के यहां पकड़ी गई अफीम की खेती का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रदेश के इतिहास में काले अध्याय जैसा है। उन्होंने कहा, 'जो पार्टी प्रदेश को संवारने का दावा करती है, उनके नेताओं के खेतों में नशे की फसल लहलहा रही है। भाजपा का यह कैसा 'सुशासन' है जहाँ रक्षक ही अफीम की खेती के सीदागर बन बैठे हैं? जनता अब समझ चुकी है कि संवारने की आड़ में प्रदेश के भविष्य को उजाड़ने की तैयारी है।'

ड्रग्स की गिरफ्त में राजधानी-विधायक ने रायपुर के चर्चित 'नव्या मालिक' ड्रग मामले को लेकर सरकार को घेरे हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ की राजधानी ड्रग्स का हब बन चुकी है। नव्या मालिक जैसे मामले तो सिर्फ बानगी हैं, असल में सफेदपोशों के संरक्षण में सिंथेटिक ड्रग्स का कारोबार गलियों तक पहुँच चुका है। उन्होंने सवाल किया कि प्या सरकार में बैठे लोग इन बड़े ड्रग सिंडिकेट्स पर कार्रवाई करने का साहस जुटा पाएंगे, या फिर 'अपनों' को बचाने का खेल चलता रहेगा? 'बेटियों और युवाओं के भविष्य से समझौता नहीं'-एक महिला विधायक होने के नाते शेषराज हरबंश ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा केवल अपराध नहीं, बल्कि हंसेटखिलते परिवारों को उजाड़ने वाला अभिशाप है। उन्होंने संकल्प दोहराया कि वे सदन से लेकर सड़क तक भाजपा के इस 'ड्रग मॉडल' के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे।

सामाजिक समरसता का संगम है होली - संजय भूषण पांडेय

सारंगढ़ बिलाईगढ़

होली भारतीय संस्कृति का जीवंत और रंगोत्सव का प्रमुख त्यौहार है। होली का त्यौहार प्रेम, एकता, भाईचारा सामाजिक समरसता का संगम है। जो जीवन में आपसी भेदभाव भुलाकर प्रेम, सद्भावना और न क्षमाशीलता का संदेश देता है। रंगों ने का पर्व होली हम सबके जीवन में उत्साह, ऊर्जा उमंग व सकारात्मक बदलाव के मार्ग को प्रशस्त करता है। उक्त बातें जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय अखिल भारतीय क्षेत्र क्रमांक 09 में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में आम जनों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण



पाण्डेय ने कहा कि रंगोत्सव पर्व सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक ताने बाने को मजबूत करता है। होली आपसी मतभेदों को भुलाकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होली का त्यौहार प्रकृति और मानव संबंधों को जीवंत करता है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने अपने निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 9 से होली मिलन समारोह में शामिल

ग्रामीण बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि रंग गुलाल का यह त्यौहार हम सबको आपस में प्रेम एकता, भाईचारा के साथ जीवन में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने का संदेश देती है। मैं जिले वासियों और निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए सबके सुख, समृद्धि भाईचारा और मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

जिला पंचायत सीईओ वासु जैन ने जनपद पंचायत जैजपुर में विभिन्न निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य के दिए सख्त निर्देश

सक्ती

अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती थासु जैन द्वारा जनपद पंचायत जैजपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। सीईओ द्वारा ग्राम पंचायत बरेकेलकला में नाली निर्माण कार्य एवं मुक्तिधाम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत दर्राभांटा, गलगलाडीह, तुषार, बोडसरा, परसदा, गुंजियाबोड तथा पिसैद, ठठारी में नाली निर्माण कार्य,



मुक्तिधाम निर्माण कार्य, पीडीएस गोदाम निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बन रहे आवास सहित अन्य विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों



और हितग्राहियों को शीघ्रता से आवास कार्य पूर्ण कराने का निर्देश भी दिया गया। ग्राम पंचायत लालमाटी में नाली निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण निर्धारित समय सीमा के अंदर कराए जाने का निर्देश दिया गया तथा सीसी रोड कार्य गुणवत्ताहीन पाए जाने के कारण

संबंधित उप अभियंता को कारण बताओ नोटिफा जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही महतारी वंदन योजना, पेंशन हितग्राही, राशन कार्डधारी इत्यादि हितग्राहियों से शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभ के बारे में चर्चा कर आवश्यक जानकारी ली गई। सभी स्वीकृत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण निर्धारित समयवधि में पूर्ण कराए जाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पंचायत परियोजना अधिकारी जिला पंचायत सक्ती बी.पी. साहू, तकनीकी सहायक जैन जाटवर व रविकेश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय हेतु दावा आपी की अंतिम तिथि 10 मार्च

सारंगढ़ बिलाईगढ़

विकासखण्ड सारंगढ़ से 59, विकासखण्ड बिलाईगढ़ से 81 एवं विकासखण्ड बरमेकेला से 35 तथा नगर पंचायत भटगांव से नियमानुसार विगत दो वर्षों से बाल विवाह का प्रकरण नहीं होने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुये हैं। अतः इन्हें बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय घोषित किया जा कर प्रमाण पत्र जारी करना है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्थान को किसी प्रकार की आपत्ति हो या कोई बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में हो तो वे अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 को कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सारंगढ़/बिलाईगढ़ (छ.ग.) एसबीआई बैंक के सामने पटेल विला रायगढ़ रोड में कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से 5:30 बजे तक लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

सारंगढ़ के पुरुषोम साहू को प्रदेश साहू संघ की कार्यकारिणी में स्थान

सारंगढ़ बिलाईगढ़

सारंगढ़ बिलाईगढ़ ा छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज साहू द्वारा जारी मनोनयन सूची में प्रदेश के विभिन्न जिलों से समाज के सक्रिय और समर्पित लोगों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में सारंगढ़ के वरिष्ठ समाजसेवी पुरुषोम साहू को प्रदेश साहू संघ की कार्यकारिणी में स्थान



दिया गया है। उनके मनोनयन से सारंगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में साहू समाज के लोगों में खुशी की

लहर है। बताया जाता है कि पुरुषोम साहू लंबे समय से समाज सेवा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। समाज के विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों एवं आयोजनों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही है। समाजजनों ने विश्वास जताया है कि उनके अनुभव और नेतृत्व से संगठन को और मजबूती मिलेगी। उनके मनोनयन पर समाज के अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग ने मनाया जल उत्सव पखवाड़ा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सारंगढ़ के मंडी प्रोग्राम में महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की सामाजिक भागीदारी, उनके अधिकारों तथा समाज के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौज, सारंगढ़ विधायक उर्मी जांगड़, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, सत्ताधारी राजनीतिक जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के कार्यपालन अधिकारिता रमाशंकर कश्यप एवं सहायक अभियंता बी एल खरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी मुख्य अतिथियों ने बारी बारी से सभी का संबोधन किया। महिलाओं को उनके



योगदान के लिए सम्मानित किया गया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत अमलीपाली 'ब' की महिला सरपंच रत्ना निरंजन पटेल, ग्राम पंचायत बटाऊपाली 'ब' की महिला सरपंच फूलबाई सिंदार और ग्राम पंचायत बोहरडीह की महिला सरपंच दामेश्वरी साहू को सभी मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा स्वसहायता समूह, जल बहिनियों एवं समिति की महिला सदस्यों का भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं

अधिकारियों ने जल की बचत, वर्षा जल संचयन तथा पानी के समुचित उपयोग के प्रति सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके। इसके सफल होने के लिए सभी से जल शपथ भी ग्रहण करवाया गया। इसके अतिरिक्त जिला समन्वयक खेमेश गवेल, आशीष गवेल, संतोष राठौर तथा केमिस्ट के पद पर कार्यरत दिनेश कुमार साहू की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का भी संदेश दिया गया।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना बेरला अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्र डंगनिया (ब), ग्राम पंचायत डंगनिया में 01 आंगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त है, जिस पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए इच्छुक एवं पात्र महिला अर्जियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया नवीन ईभर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अर्जिथी 10 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026 तक निर्धारित पोर्टल <https://aww.e-bharti.in/> पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन कर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ईभर्ती पोर्टल के यूजर मैनुअल में उपलब्ध है। आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उर्णीय निर्धारित की गई है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इस पद के लिए वही महिलाएं आवेदन करने की पात्र होंगी जो संबंधित ग्राम पंचायत या वार्ड की स्थानीय निवासी हों, जिस वार्ड/ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

ओवरलोडिंग और रतार - डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन

TRN एनर्जी की राख ओवरलोडिंग और रफ्तार-डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन .. प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

रायगढ़

जिले में सड़क सुरक्षा के सरकारी दावे सिर्फ कागजों और फ़ड्डलों तक सिमट कर रह गए हैं। घरघोड़ा क्षेत्र में झर्रह एनर्जी पावर लिमिटेड से निकलने वाला हजारों टन लिफ्ट ऐश (राख) आज आम जनता के लिए काल बन चुका है। नियमों को टेगा दिखाकर सड़कों पर दौड़ते ओवरलोड डंपर न सिर्फ पर्यावरण को धुआंधुआं कर रहे हैं, बल्कि राहगीरों की जिंदगी से भी संशय खिलवाड़ कर रहे हैं।

ओवरलोडिंग और रफ्तार - डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन-घरघोड़ा क्षेत्र की सड़कों पर झर्रह प्लांट से निकलने वाले डंपर क्षमता से कई गुना अधिक वजन लेकर 'फ रॉट' पर रहे हैं। आलम यह है कि ओवरलोड होने के कारण ये डंपर सड़कों पर इस कदर लहराते हैं कि छोटे वाहन



चालक और राहगीर अपनी जान बचाने के लिए किनारे खड़े होने को मजबूर हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये डंपर सड़क पर चलते हुए नहीं, बल्कि 'हिलोरे' मारते हुए मौत की तरह

दिखाई देते हैं।

जहरीली धूल ने किया जीना हुआ मुहाल-सिर्फ एसीडेंट का खतरा ही नहीं, बल्कि मुनाफे के लालच में इन डंपरों से गिरने वाली राख ने पूरे क्षेत्र



को 'डस्ट ज़ोन' बना दिया है। उड़ती राख ने सीधे स्वस्थ पर हमला करते हुए लोगों की आंखों में जलन और सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं। वही सड़कों पर जमी राख की परत के कारण दोगुहा वाहन चालक रोजाना गिरकर घायल हो रहे हैं।

कंपनी प्रबंधन ने प्रशासन आँखों में धूल झाँकने के लिए खराब तिरपाल लगाकर परिवहन कर पर्यावरण नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बड़ा सवाल: आखिर कार्रवाई से क्यों कतरा रहे जिम्मेदार?-हैरानी की बात यह है कि

घरघोड़ा क्षेत्र में मौत का यह नंगा नाच प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और पर्यावरण विभाग की नाक के नीचे चल रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। प्या जिला प्रशासन किसी बड़े और भीषण सड़क हादसे का इंतजार कर रहा है? प्या उद्योगपतियों का रसूख नियमों से ऊपर हो गया है? या फिर प्रशासन इन जैसे उधगों के सामने बेबस हो गया है? बारंबार शिकायतों के बाद भी डंपरों की जप्ती और भारी जुर्माने की कार्रवाई प्यों नहीं हो रही ? TRN एनर्जी और डंपर संचालकों की जुगलबंदी ने घरघोड़ा की सड़कों को अतुरक्षित बना दिया है। यदि समय रहते इन 'सफेद पाउडर' ढोने वाले डंपरों पर लगाम नहीं कसी गई, तो आने वाले समय में इसकी भारी कीमत आम जनता को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी। अतः देखा जाय है कि प्रशासन अपनी 'कुंभकर्णी नींद' से कब जागता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसईसीएल इंदिरा विहार में भव्य आयोजन

होली मिलन में झलका उत्साह कोतमा/इंदिरा विहार, (बी डी मिश्रा)



कोण्डगांव

एसईसीएल इंदिरा विहार स्थित महिला कल्याण समाज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के उप महाप्रबंधक शेख जाकिर हुसैन उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में

महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण अग्रवाल ने महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर एवं यूटर्स कैंसर के प्रति जागरूक करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर समाज सेविका लता गुप्ता, विनीता राव एवं सुनीता मणिपुरी ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं कृति गंगाजली ने नारी शक्ति पर अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत कर उपस्थित



महिलाओं को भावविभोर कर दिया। महिला कल्याण समाज की सचिव श्रीमती माधुरी तिवारी के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहसचिव रेहाना खान सहित कविता घोष, कृति गंगाजली, सुप्रभा आचार्य, पुष्पा पटेल, सरिता चौहान, सरोज वस्त्रकार, ज्योति उपाध्याय, बबिता मिश्रा, संतोषी मेहता, हेमलता कश्यप, आभा पांडेय, सरला शर्मा, सीमा दिग्रास्कर, रजनी श्रीवास, रेखा गुल्ला, शैफली घोष, शालू दुबे, माया कापले, शशि सोनी, माधुरी कौशिक, हिमेश्वरी राठौर, भारती सिन्हा, सुषमा महतो,

परीदा हुसैन, दिव्या भौमिक, कीर्ति साहू, किरणबाला पांडेय, दुर्गेश साहू, किरण ठाकुर, भानुमति नेताम, माया राव, लक्ष्मी, नीरा देवी, सुदर्शन सोंटके, सविता शर्मा, प्रभा शुक्ला सहित अनेक महिलाओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में **होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रीति, रवि एवं रजनी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। गीतसंगीत, रांगुलाल और आपसी सौहार्द के साथ महिला दिवस एवं होली मिलन का यह रंगारंग कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

असुरक्षित पाया गया टाटा संपन्न फाइन बेसन का एक बैच, प्रशासन ने जारी की चेतावनी

कोरिया

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम जनता और खाद्य विक्रेताओं को सावधान करते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा निर्मित टाटा संपन्न फाइन बेसन 500 ग्राम के एक विशेष बैच को असुरक्षित घोषित किया है। विभाग ने उक्त बैच के बेसन को न खरीदने और न ही उपभोग करने की अपील की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पैक्ट टाटा संपन्न फाइन बेसन 500 ग्राम (कोड)013, सरल क्रमांक 86/2025, बैच नंबर लड्डू51844श्रद्ध, पैकिंग दिनांक 08 अगस्त 2025) के नमूने की जांच छद्मद्वारा खट्टा, खट्टा, भोपाल में कराई गई थी। जांच प्रतिवेदन क्रमांक 0024/2026 दिनांक 27 जनवरी 2026 में इस बैच को असुरक्षित (टुइडइड) घोषित किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोरिया के अभिहीत



अधिकारी ने जानकारी दी है कि आम जनता उक्त बैच नंबर के बेसन को न खरीदें और न ही इसका उपयोग करें। साथ ही सभी थोक एवं पुर्कर खाद्य विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे उक्त बैच नंबर के उत्पाद का क्रयविक्रय और भंडारण तत्काल प्रभाव से बंद कर दें। प्रशासन ने यह भी कहा है कि यदि किसी विक्रेता के पास इस बैच का

उत्पाद शेष है तो उसे अलग से सुरक्षित रखकर कंपनी को वापस करने की प्रक्रिया अपनाई जाए, ताकि गलती से भी यह उत्पाद बाजार में न बिक सके। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जनजागरूकता के लिए इस सूचना के माध्यम से अपील भी की है कि आम जनता असुरक्षित खाद्य पदार्थ ऋय व उपयोग से बच सके।

इंटर डिनॉमिनेशन क्रिकेट प्रतियोगिता



जगदलपुर

चदैया मेमोरियल मेथोडिस्ट एपिस्कोपल लाल चर्च के द्वारा जगदलपुर में प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी इंटर डिनॉमिनेशन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विशेष तकनीकी त्रुटियों के कारण एवं अत्यधिक टीमों के भाग लेने के कारण इस प्रतियोगिता का समापन 81326 को को संपन्न हुआ लाल चर्च मैदान में मुख्य अतिथि रेव् लारेन्स दास एवं जे.बेचक विशिष्ट

अतिथि रजनीन्द डेनियल रवेश बेजमिन की उपस्थिति में इस मैच का फहनल मे समाज के प्रमुख पदाधिकारी के बीच मैच का फहनल मैच हुआ फहनल में टास.रायल बायज टीम ने जीता और फिल्लिंग का फैसला लिया इनवीनसिबल डायनामाइट ने बैटिंग का फैसला लिया।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल संचालन सोशल कमेटी के अध्यक्ष मनीष सीरिल एवं उनकी टीम के सौजन्य से हुआ कमेंट्री बॉक्स में अभिषेक कालेट ने अपनी

सेवाये दी स्कोर के रूप में भाई दिलीप अर्गोलिक डेनियल स्वामी. थे अपायर के रूप में.विकी भवानी विकी परिहार इस क्रिकेट टूर्नामेंट में लगभग 25 टीमों ने भाग लिया इन्विसिबल डायनामाइट ने 111 रन बनाया 6 विकेट के नुकसान पर रॉयल बायज ने 56 रन बनाए 9 विकेट के नुकसान पर विजेता इन्विसिबल डायनामाइट रहे ट्रॉफी के साथ 221000 नगद पुरस्कार मिले उपविजेता रायल बायज टीम को 215000 नगद पुरस्कार मिला और ट्रॉफी प्रदान की गई।

पुरानी रंजिश में सैलून में युवक पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

धमतरी

शहर में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बासपारा निवासी आशुतोष उर्फ आशिष यादव (20 वर्ष) और प्रिंस नेताम के बीच पहले से ही रंजिश चल रही थी। बताया गया कि पिछले वर्ष नवंबर माह में प्रिंस नेताम ने आशिष यादव पर हर्सिया से हमला किया था, जिसके बाद प्रिंस नेताम को बाल संरक्षण गृह भेजा गया था। बाल संरक्षण गृह से छूटने के बाद से ही आशिष यादव बदला लेने की फिाक



मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने गवाहों और तकनीकी आधार पर आरोपी की पतासाजी करते हुए उसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कंजे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जप्त कर लिया है। आरोपी के

में था और मौके की तलाश कर रहा था। इसी बीच सोमवार को बासपारा स्थित इतवारी बाजार के प्रदीप सैलून में प्रिंस नेताम के अकेले मिलने पर आरोपी ने उस पर धारदार चाकू से हमला कर दिया और घटना के बाद मौके से पसार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस तत्काल

खिलाफ थाना सिटी कोतवाली धमतरी में धारा 109(1), 296, 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की आगे की विवेचना की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं पर सतत कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी पुलिस बड़ी कार्यवाही 19 किलो गांजा से भरी ट्रक



मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बैतारी चौक के पास बताये गए ट्रक क्रमांक GJ 12 GT 6441 को जांच हेतु रोका गया। जांच के दौरान ट्रक से 18.285 किलो गांजा प्लास्टिक से बंधे 15 बैग बरामद किया गया। ट्रक चालक ईरफान गौरी

सरायपाली

नगर सीमा के बैतारी चौक पर ओडिशा से गुजरत जा रही एक ट्रक को सूचना के आधार पर जांच किए जाने पर ट्रक से लगभग 19 किलो गांजा जप्त किया गया। इस संबंध में आबकारी उप निरीक्षक मिर्जा जफर बेग ने जानकारी देते हुवे बताया कि

पिता अडुलभाई को धारा 20 (बी), NDPS Act.1985 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस कार्यवाही में प्रमुख रूप से हृदय कुमार तिरपुडे आबकारी उपनिरीक्षक वृ। संकरा नीरज कुमार साहू आबकारी उपनिरीक्षक पिथौरा अनिल कुमार झारिया आबकारी उपनिरीक्षक ग्रामीण के साथ ही आबकारी स्टाफ उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शबाना खान सम्मानित



मोहला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर जिला प्रशासन मोहलाडुमानपुरडुअंबागढ़ चौकी द्वारा मिनी स्टेडियम मोहला में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर महोदय श्रीमती तुलिका प्रजापति एवं श्रीमती नम्रता सिंह जैन जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला सीईओ श्रीमती भारती चंद्रकार के करकमलों से शबाना

खान को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का आजीविका गतिविधियों से जोड़ने, स्वसहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रदान किया गया। शबाना खान लंबे समय से महिला समूहों के साथ मिलकर विभिन्न आजीविका गतिविधियों जैसे गुलाल निर्माण, राखी निर्माण तथा हर्बल उत्पादों के निर्माण के माध्यम से

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। अतिथियों ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर नई पहचान बना रही हैं। इस अवसर पर शबाना खान के कार्यों की सरहना करते हुए अधिकारियों ने इसे समाज की अग्रणी महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला समूहों की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

आधी आबादी की आवाज़ कैसे रहे बुलंद...जसम ने किया विमर्श, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जन संस्कृति मंच का आयोजन

रायपुर

देश और दुनिया में आधी आबादी की स्थिति कितनी खराब है..यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित एक आयोजन में जन संस्कृति मंच की महिला साथियों ने यह माना कि स्त्रियों को अपनी स्थिति को बेहतर बनाने और अपना अधिकार हासिल करने के एकजुट होकर संघर्ष तेज करना होगा. जसम से जुड़ी लेखिकाओं और संस्कृतिकर्मियों ने यह संकल्प लिया कि दुनिया में जहां कहीं भी स्त्रियों और बच्चियों के साथ अन्याय अत्याचार होगा उसके खिलाफ आवाज़ उठायी जाएगी और लेखन सृजन के जरिए प्रतिरोध दर्ज किया जाएगा. लेखिकाओं ने माना कि यह समय खाली बैठने का समय नहीं है.आधी आबादी को निरन्तर बोलना होगा.कदम से कदम मिलाना



होगा.आवाज़ से आवाज़ मिलानी होगी.प्राध्यापक अजय शुक्ला के विशाल नगर स्थित आवास पर आयोजित जसम के आयोजन में लेखिकाओं ने घरपरिवार के अलावा राजनीति में स्त्रियों की हैसियत, फिल्मों में स्त्रियों की स्थिति को लेकर खास चर्चा की.लेखिकाओं ने देशदुनिया को

झकझोर देने वाली एस्पटीन फहल और उसमें शामिल रसूखदार नेताओं के कारनामों को घृणित और शर्मनाक बताया. लेखिकाओं ने कहा कि अब पूरी दुनिया में स्त्रियों की सुरक्षा एक अहम मसला है. जिस देश और जगह पर स्त्रियां और बच्चियां खुद को आजाद और सुरक्षित महसूस नहीं करती, उस देश



का बरबाद होना तय है. इस मौके पर जसम रायपुर से जुड़ी नामचीन कवित्रिज्ञ डॉ.वंदना कुमार, सनियारा खान, नीलिमा मिश्रा, रुपेंद्र तिवारी और संजय नायर ने धारदार कविताओं का पाठ किया.गायिका वर्षा बोपेच, सुनीता शुक्ला और समीक्षा नायर ने जंगनीतों की शानदार प्रस्तुति दी. सुहानी शर्मा ने

फिल्मों में स्त्री लेखन के महत्व को रेखांकित किया. कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. पूनम संजू ने किया. जसम के इस आयोजन में जनवादी लेखक संघ के प्रदेश सचिव पीसी रथ, जसम के वरिष्ठ सदस्य समीर दीवान, राजकुमार सोनी, अजय शुक्ला सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे.

हीटवेव से निपटने स्वास्थ्य विभाग अलर्ट: अस्पतालों में बनाए जा रहे हीट स्ट्रोक प्रबंधन कक्ष, आवश्यक दवाइयों और एम्बुलेंस सेवाओं को रखा गया अलर्ट मोड पर

कोरिया

जिले में बढ़ते तापमान और संभावित हीटवेव की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। गर्मी से होने वाली बीमारियों से निपटने के लिए जिला स्तर से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छप्पीसाहू द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुरूप जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों में हीटवेव से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हीट स्ट्रोक प्रबंधन कक्ष सक्रिय रखे जाएंगे। इन केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएफ, आईवी फ्लूइड, आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां और शीतलन



संबंधी व्यवस्थाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि गर्मी से प्रभावित मरीजों को तुरंत उपचार मिल सके। स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस सेवाओं को भी अलर्ट मोड में रखने और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। साथ ही विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित रखने पर भी निर्देश दिए गए हैं।

श्रमिकों और बेघर व्यक्तियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और लू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।



सूरजपुर

जिले में राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में सोमवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुविभाग एवं तहसीलवार लॉबि प्रकरणों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा/निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने न्यायालयवार लॉबि राजस्व

प्रकरणों की अद्यतन जानकारी लेते हुए कहा कि सभी मामलों का निराकरण निर्धारित समय/सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अभिलेख सुधार, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू अर्जन, पट्टा वितरण तथा अभिलेख दुरुस्तीकरण से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन प्रकरणों में पारदर्शिता और

समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही बैठक में प्रथम चरण की जनगणना की तैयारियों की जानकारी ली गई तथा जिले की कानून/व्यवस्था की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, डिप्टी कलेक्टर, सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार



ललित रंगा

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया ह्रमत्स्य-न्यायह्म यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेड नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है। विश्व राजनीति में एक नया रूझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निमाती और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डीलस्, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है। आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुःखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का स्वाद करने वाले



भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लेंगे तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत

महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां हूजिसको लाठी उसकी भैंसह्म ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा। भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था ढगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और

विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निश्चयीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है। यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से हूवसुधैव कुटूम्बकम् का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वोत्तम की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

संपादकीय

ऊर्जा संकट में फंसा देश

तुफान आने पर रेत में सिर घुसाने की शुरुआती प्रवृत्ति कितनी घातक होती है, यह बात अब शायद मोदी सरकार को समझ आ रही होगी। पिछले 12 सालों से देश को सब चंगा सी मोड़ में डाल कर रखा गया है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए नित नए शिगुफे छेड़ दिए जाते हैं। लेकिन न वादों से पेट भरता है, न शिगुफों से असली समस्याओं का वास्तविक हल निकलता है। इसके लिए काम करने की जरूरत पड़ती है, जो मोदी सरकार ने किया नहीं। बल्कि जो बने-बनाए काम थे, उन्हें और बिगाड़ दिया। जिसका खामियाजा अब जनता भुगत रही है। यही कारण है कि 11 दिन पहले ईरान पर किया गया हमला अब भारत की आम जनता के लिए परेशानी का सबब बन गया है। ईरान पर हमले और पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध के प्रभाव के कारण ईंधन आपूर्ति में बाधा आने लगी है, जिससे भारत में एलपीजी संकट गहरा गया है। हालांकि देश को कई बड़े पत्रकार और मीडिया घराने ये बता रहे हैं कि पाकिस्तान में ऊर्जा का कितना बड़ा संकट खड़ा हो गया है कि वहां स्कूलों, कार्यालयों में उपस्थिति 50 प्रतिशत तक घटा दी गई है, और महंगाई बढ़ने का खतरा है। लेकिन पाकिस्तान के बिगड़े हालात दिखाकर हम अपनी मुश्किल आसान नहीं कर सकते। इसलिए जो सच है, उसका सामना करना ही होगा। गनीमत है कि सरकार ने इस दिशा में पहला कदम बढ़ाया है। सरकार ने देश में घरेलू कुकिंग गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) लागू कर दिया है। सरकारी आदेश के मुताबिक कुछ क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। इनमें घरेलू पीपजी सप्लाई, ट्रांसपोर्ट के लिए सीएनजी, एलपीजी, पाइपलाइन कंप्रेसर प्पल और आवश्यक पाइपलाइन ऑपरेशनल जरूरतें शामिल हैं। केंद्र सरकार ने गैस कुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। दरअसल इससे पहले देश के कई शहरों में सिलेंडर के महंगे होने और कालाबाजारी की खबरें आने लगीं। सरकार ने तो अपनी तरफ से 60 रूपए घरेलू गैस में 115 रूपए कमशिखल सिलेंडर में बढ़ाए हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कल्युग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलिकत अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में कलियुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष भगवान गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कल्युग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरुद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं की भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोट्य भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चौर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्रियों को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग मंस झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है।



डॉ हदियात अहमद खान

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिश आगोश में लेना शुरू कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोज़ वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी



कातिलाल माहोत्र

भारत में बच्चों के लापता होने की बढ़ती घटनाएं आज पूरे समाज के सामने एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती के रूप में खड़ी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यह स्थिति बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए हमारी व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता दोनों के और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति पश्चिम बंगाल की है जहां 19145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15465 बच्चों को ढूंढ लिया गया लेकिन 3680 बच्चे अभी भी लापता हैं। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है जहां 4256 बच्चे गायब हुए और 1059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। हरियाणा के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं जहां 2209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चों का अभी तक कोई सुरंग नहीं मिला। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा



तरह की कमी नहीं है और घरबाने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मिल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमशिखल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विश्व इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील

हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विश्व इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विश्व का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है। मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा

करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमते तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके?

इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विश्व का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा

लापता होते बचपन की भयावह तस्वीर और समाज प्रशासन की जिम्मेदारी

केवल किसी एक राज्य का नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। नागालैंड अरुणाचल प्रदेश मणिपुर त्रिपुरा गुजरात लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि जहां समाज सतर्क है और प्रशासन सक्रिय है वहां ऐसी घटनाओं को काफी दब तक रोका जा सकता है। हालांकि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या अधिक होने का कारण यह भी है कि वहां दूसरे राज्यों के बच्चे भी पाए गए। लापता बच्चों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बच्चे पारिवारिक विवाद या गुस्से में घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। वहीं कई मामलों में मानव तस्करी और बच्चों को अगवा करने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों को केवल एक सामान्य घटना समझकर नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार बच्चों को मजदूरी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है जिससे उनका पूरा भविष्य अंधकार में चला जाता है। समाचारों में सामने आए कुछ उदाहरण इस दर्दनाक सच्चाई को और गहरा कर देते हैं। हरियाणा के अंबाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को अपनी सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज में उसे जाते हुए देखा गया लेकिन उसके बाद उसका कोई सुरंग नहीं मिला। इसी तरह अंबाला कैट की एक लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकली और अभी तक वापस नहीं लौटी। परिवार अपनी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहा है और पिता शहर में पचें बांटकर लोगों से जानकारी देने

की अपील कर रहे हैं। ऐसे मामलों में परिवार की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल होता है। हाल ही में मध्य प्रदेश के झाबुआ में भी एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई जहां साढ़े तीन साल की एक मामूस बच्ची बाजार से अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में वह एक अंधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक महिला के साथ दिखाई दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन यह घटना बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कितनी सतर्कता आवश्यक है। आजकल सोशल मीडिया और इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चों को अगवा करने वाले गिरोहों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। हालांकि हर वीडियो सही नहीं होता लेकिन कई मामलों में यह सच भी साबित हुआ है कि बच्चों को चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसे गिरोह बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें अगवा कर लेते हैं और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने या अवैध कार्यों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह केवल कानून का नहीं बल्कि मानवता का भी बड़ा अपराध है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन को और अधिक सख्ती से काम करना होगा। लापता बच्चों के मामलों में तुरंत कार्रवाई होना जरूरी है। हर जिले में विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जो ऐसे मामलों की जांच करे। सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और बस स्टैंड रेलवे स्टेशन बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही पुलिस को बच्चों को चुराने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। जब तक पुलिस ऐसे गिरोहों को पकड़कर जेल में नहीं डालेगी तब तक यह सिलसिला पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए

ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस को दूसरे राज्यों के साथ समन्वय बनाकर भी काम करना चाहिए क्योंकि कई मामलों में बच्चों को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है। सिर्फ प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। माता पिता को अपने बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अजनबियों से सावधान रहने की शिक्षा देनी चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देना चाहिए। समाज की जागरूकता कई अपराधों को होने से पहले ही रोक सकती है। बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका सुरक्षित बचपन ही एक मजबूत समाज की नींव रखता है। यदि बच्चे ही असुरक्षित महसूस करेंगे तो यह पूरे समाज के लिए खतरा की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि सरकार प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या से लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा असुरक्षित न रहे। आज जरूरत इस बात की है कि लापता बच्चों के हर मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और उसे केवल एक आंकड़ा बनकर न रहने दिया जाए। जब तक हर बच्चे को सुरक्षित घर और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तब तक समाज की प्रगति अधूरी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है। जब प्रशासन की सख्ती और समाज की जागरूकता साथ आएगी तभी लापता होते बचपन की यह दर्दनाक कहानी रूक सकेगी और हर बच्चे को सुरक्षित जीवन मिल सकेगा।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरु हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कटेस्टेंट प्रिंस नरुला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिब-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा कि कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं

भी एक जैसी नहीं है। वो पार्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है। लिब-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदरख्सी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरू हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छरिया चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।



गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

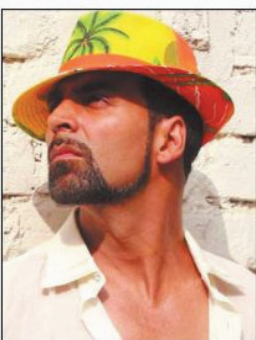
रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वास्सी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेनई एक्सप्रेस' (डॉस नंबर) और मॉनरलम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स
प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द



पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वास्सी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जानी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनासा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सुत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।



अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर 'फर' में पहली बार नजर आई। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'।



औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हेपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रही हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हेपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कोर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जुझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती हैं, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े

कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हसो। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इन्स्पिरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डट रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूँ कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व

नहीं कर पाएंगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टारियोटाइप टूट रहे हैं। उन्हीं में से एक है, शोफाली शाह, मोना सिंह, साक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकी दमदार एक्ट्रेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मोके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूँ कि यह समय देख रही हूँ, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हेपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इंडियट्स में 'ऑल इन वेल-ऑल इन वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हेपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूँ।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूँ, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ।'



रोते बच्चों को मोबाइल देकर चुप कराना आजकल ट्रेंड बन गया है. रेस्टोरेंट हो, ट्रेन हो, घर हो या फिर डॉक्टर का क्लिनिक हर जगह एक ही नजारा दिखता है. बच्चा चुपचाप मोबाइल या टैबलेट की स्क्रीन में खोया रहता है. इस चक्कर में माता-पिता को उसके रोने-धोने और ज़िद से छुटकारा मिल जाता है. कुछ समय में बच्चों को चुप कराने, खाना खिलाने या थोड़ी देर शांति पाने के लिए मोबाइल थमा देना सबसे आसान तरीका लगने लगता है.



क्या आप भी फोन की 'रिश्वत' देकर बच्चों को करा रहे चुप !

स्क्रीन देखते ही बच्चा शांत हो जाता है और माता-पिता भी बेफिक्र हो जाते हैं. लेकिन डॉक्टर और एक्सपर्ट्स के नज़रिए में बच्चों की ये खामोशी, माता-पिता के लिए शांति नहीं बल्कि चेतावनी है. उनका कहना है कि इस तरह बच्चों को फोन या टैबलेट पकड़ा देने का असर लंबे समय में बच्चों के दिमाग, व्यवहार और भावनाओं पर पड़ सकता है. तो सवाल ये है कि बच्चों को चुप कराने के लिए स्क्रीन दिखाना, यानी स्क्रीन ब्राइबिंग, क्या वाकई बच्चों के लिए सही है ?

क्या है 'स्क्रीन ब्राइबिंग' की आदत ?

आजकल ज्यादातर माता-पिता बच्चे को खाना खिलाने, सुलाने या बाहर ले जाते समय मोबाइल या टैबलेट थमा देते हैं. ऐसा करने से बच्चा स्क्रीन देखते ही शांत हो जाता है और उन्हें कुछ पल का सुकून मिल जाता है. इसी आदत को एक्सपर्ट्स 'स्क्रीन ब्राइबिंग' कहते हैं. यानी बच्चे को संभालने या चुप कराने के लिए स्क्रीन का इस्तेमाल करना. शुरुआत में ये एक आसान उपाय लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत बच्चे की हेल्थ और डेवलपमेंट पर असर डालने लगती है.

डॉक्टर बच्चों में क्या बदलाव देख रहे हैं ?

बच्चों के डॉक्टरों के मुताबिक, अगर कोई बच्चा बहुत ज्यादा मोबाइल या टैबलेट देखता है तो उसमें कुछ परेशानियां हो सकती हैं. कई बच्चों को ठीक से नींद नहीं आती, वो देर से बोलते हैं और उनका ध्यान भी जल्दी भटक जाता है. ऐसे कई बच्चे हैं, जिनमें ये

समस्याएं देखने को मिली है. इतना ही नहीं कुछ बच्चे जल्दी चिड़चिड़े हो जाते हैं, उन्हें सबके साथ नहीं बल्कि अकेले खेलना पसंद आने लगता है और लोगों से बात करना भी अच्छा नहीं लगता है. ये समस्याएं धीरे-धीरे बढ़ती हैं, इसलिए अक्सर माता-पिता को समय पर खतरा समझ नहीं आता.

बच्चे के दिमाग पर पड़ता है स्क्रीन का असर

बचपन में बच्चे का दिमाग बहुत तेजी से डेवलप होता है. इस समय उन्हें बातचीत, खेलने, सवाल-जवाब और भावनात्मक जुड़ाव की सबसे ज्यादा जरूरत होती है. जब बच्चा स्क्रीन में उलझा रहता है, तो वो अपने आस-पास की दुनिया से कटने लगता है. वो कम बोलता है, कम सुनता है और लोगों के भाव समझने में पीछे रह जाता है. स्क्रीन उसे व्यस्त तो रखती है, लेकिन सीखने का मौका छीन लेती है.

स्क्रीन पर क्यों निर्भर हो रहे हैं माता-पिता

ज्यादातर सभी माता-पिता जानते

ये आदत बन जाती है खतरनाक

अगर आपका बच्चा हर परेशानी में मोबाइल मांगने लगे और आप उसे उसके कहते ही देने लगें, तो वो अपनी भावनाओं/इमोशंस से निपटना नहीं सीख पाता है. ना ही उसे इंतजार करना आता है, ना ही खुद को संभालना. डॉक्टरों की मानें तो आगे चलकर ऐसे बच्चों में पढ़ाई में मन ना लगना, गुस्सा जल्दी आना और चीजों से जल्दी ऊब जाना जैसी समस्याएं देखी जाती हैं. यानी जो स्क्रीन आज राहत देती है, वही कल मुश्किल बन सकती है.



स्क्रीन नहीं इस चीजों को करें माता-पिता

बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत स्क्रीन की नहीं बल्कि समय और ध्यान की होती है. आप उन्होंने फोन या टैबलेट पकड़ाने के बजाय उनसे बात करें, उन्हें कहानियां सुनाएं, उनके साथ खेलें. ये छोटी-छोटी चीजें उनके दिमाग और दिल दोनों को मजबूत बनाती हैं. अगर बच्चा ऊब रहा है, तो आप उसे अपने साथ घर के छोटे कामों में शामिल कर सकते हैं. इस तरह से आप उनका स्क्रीन टाइम एकदम बंद करने के बजाय धीरे-धीरे कम कर सकते हैं.

बच्चों को चुप कराने के लिए

1 घंटे में बच्चे का पेट साफ ! अपनाएं आसान और असरदार नुस्खे



बच्चों में भी कब्ज की समस्या बहुत आम है। गलत खानपान, पानी कम पीना, फाइबर की कमी और दिनचर्या बिगड़ने के कारण बच्चों का पेट साफ नहीं हो पाता। जब बच्चा पेट दर्द, कब्ज या टॉयलेट जाने में दिक्कत महसूस करता है, तो माता-पिता भी चिंतित हो जाते हैं। इसी समस्या को देखते हुए डॉक्टर नवनीत कौर भाटिया ने अपने इस्टाग्राम वीडियो में एक आसान और असरदार नुस्खा बताया है, जिससे बच्चे को जल्दी राहत मिल सकती है।

बच्चा कब्ज में हो तो क्या करें ?

डॉक्टर के अनुसार, अगर बच्चे की नाभि (पेट के बीच का बटन वाला हिस्सा) पर हल्दी और पानी का लेप लगाया जाए, तो लगभग 1 से 1.5 घंटे में पेट साफ हो सकता है। आयुर्वेद में नाभि

को शरीर का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना गया है। नाभि के आसपास कई नसें और ब्लड वेसल्स होते हैं, जो पाचन से जुड़े हैं। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और डिटॉक्स गुण होते हैं, जो पाचन और पेट के लिए फायदेमंद हैं।

कैसे लगाएं हल्दी का लेप ?

सामग्री
आधा चम्मच पानी
एक चुटकी हल्दी
तैयारी और इस्तेमाल

पानी में हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। बच्चे की नाभि पहले से साफ कर लें। इस पेस्ट को नाभि पर हल्के हाथों से लगाएं। लगभग 1 से 1.5 घंटे में असर दिखना शुरू हो जाएगा।

अन्य जरूरी उपाय

डॉक्टर नवनीत यह भी बताती हैं कि कब्ज की समस्या को केवल घरेलू नुस्खों तक ही सीमित न रखें। कुछ अन्य चीजों पर भी ध्यान दें

सुबह खाली पेट पानी पिलाएं

बच्चे को सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पिलाएं। बड़े बच्चों के लिए इसमें हल्का सा हल्दी या नींबू मिलाया जा सकता है। यह पाचन तंत्र को एक्टिव करता है और पेट साफ होने में मदद करता है।

फाइबर युक्त आहार दें

बच्चों के खाने में फल, सब्जियां, दलिया, सलाद और साबुत अनाज शामिल करें। ये कब्ज दूर करने में बहुत मददगार हैं।

पेट की हल्की मालिश

सरसों के तेल या हल्दी मिलाए तेल से नाभि और पेट के आसपास हल्की मालिश करें। इससे पेट की मांसपेशियां रिलेक्स होती हैं और गैस-कब्ज में आराम मिलता है।

डॉक्टर से सलाह लें

अगर बच्चे को बार-बार कब्ज हो रही है, तेज दर्द है या कई दिनों तक पेट साफ नहीं हो रहा, तो सिर्फ घरेलू उपायों पर भरोसा न करें। इस स्थिति में पेडियाट्रिशियन या विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

अगर बच्चा दांत पीसता है तो हो जाएं सावधान

बच्चों में अक्सर दांत पीसने की समस्या देखी जाती है। माता-पिता कई बार बच्चे को डांट-डपट देते हैं, लेकिन यह आदत आसानी से नहीं जाती। तो क्या यह आम समस्या है या किसी गंभीर बीमारी का संकेत ? डॉक्टरों के अनुसार बच्चों के दांत पीसने की आदत के पीछे कई कारण हो सकते हैं और इसे समय रहते सही तरीके से रोकना जरूरी है।

बच्चे दांत क्यों पीसते हैं ?
स्ट्रेस और एंजाइटी : तनाव या घबराहट की वजह से बच्चे अक्सर दांत पीसते हैं।

एडीएचडी या सेरेब्रल पाल्सी : कुछ विशेष स्थिति वाले बच्चों में भी यह देखा जा सकता है।

दांतों की असमानता : यदि बच्चे के दांत सीधे नहीं हैं, टेढ़े-मेढ़े हैं, तो भी यह समस्या हो सकती है।

स्लीप डिऑर्डर : जैसे स्लीप एपनिया में भी दांत पीसने की आदत

हो सकती है।

डॉक्टर बताते हैं कि यह आदत अगर समय रहते नियंत्रित न की जाए, तो आगे चलकर दांत और जबड़े की समस्याओं का कारण बन सकती है।

दांत पीसने की आदत को कैसे रोकें

स्क्रीन टाइम कम करें : सोने से 2-3 घंटे पहले बच्चे को टीवी, फोन या अन्य स्क्रीन से दूर रखें।

रिलैक्सेशन तकनीक : रोजाना बच्चे को डीप ब्रीदिंग, स्ट्रेचिंग और योग जैसी एक्टिविटीज कराएं।

तनाव की वजह खोजें : अगर बच्चा स्ट्रेस या एंजाइटी महसूस कर रहा है, तो उसके कारण को समझें और हल ढूँढें।

डाइट में बदलाव : कैफ़ीनेटेड और शुगर वाली ड्रिंक्स को हटा दें, खासकर सोने से पहले।

पर्याप्त नींद : बच्चे को रोजाना



कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर ?

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्कि बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है।

अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटन बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है.

कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर ?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सुखाने के लिए रख दें।

जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरह को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

रिक्न से जुड़ी इन सभी समस्याओं को ठीक कर सकता है पपीता, मिलते हैं ये फायदे



पपीता में विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर और फोलेट की भरपूर मात्रा पाई जाती है. पपीते में कई तरह के एंजाइम्स जैसे पैंपेन मौजूद होता है जो पाचन के लिए जरूरी माना जाता है. पपीते में मौजूद विटामिन सी इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद करता है. वहीं, इसमें मौजूद विटामिन- आंखों और रिक्न के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है. ओवरऑल शरीर के साथ ही पपीता रिक्न के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है.

पपीते में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो रिक्न के लिए लाभकारी होते हैं. आइए जानते हैं पपीता खाने से आपकी रिक्न पर क्या असर पड़ता है.

नेचुरल एक्सफोलिएशन- पपीते में पैंपेन नाम का एंजाइम होता है जो नेचुरल एक्सफोलिएंट की तरह काम करता है. यह डेड रिक्न को हटाने और ओपन पोर्स को बंद करने में मदद करता है जिससे रिक्न ग्लोइंग बनती है. रिक्न पर पपीते का फेस मास्क लगाने से रिक्न चमकदार बनती है.

एंटी-एजिंग गुण- पपीते में बीटा-केरोटीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जो फ्री रेडिकल्स से लड़ने में करता है जिससे रिक्न और फाइन लाइंस की समस्या दूर होती है. पपीते का सेवन करने से रिक्न की इलास्टिसिटी बढ़ती है. एंटी एजिंग गुणों के लिए आपको पपीते को रोज अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.

एक्ने और धब्बों को दूर करें- पपीते में मौजूद पैंपेन इन्फ्लेमेशन को रोकने में मदद करता है. पपीते में एंटी माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं जो एक्ने को कम करने के साथ ही दाग-धब्बों को दूर करने में भी मदद करता है. एक्ने को कम करने के लिए पपीते को पिंपल्स पर लगाएं.

रिक्न को मॉइश्चराइज करें- पपीते में पोटेशियम पाया जाता है, जो रिक्न को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज करता है. इससे रिक्न सॉफ्ट और सपल बनती है. पपीते को रोजाना खाने से रिक्न और बॉडी अंदर-बाहर से हाइड्रेट होती है.

सन डैमेज से करे रिपेयर- पपीते में विटामिन सी होता है जो रिक्न को सन डैमेज से बचाता है. यह पिगमेंटेशन को को कम करने के साथ ही रिक्न में होने वाली खुजली को भी शांत करता है. सन डैमेज से बचने के लिए पपीते में शहद और दही मिक्स करके रिक्न पर लगाने से रिक्न का टेक्सचर सुधरता है.



कुंभकार समाज का हुआ होली मिलन

धमतरी

कुंभकार समाज परिक्षेत्र सिहावा का होली मिलन समारोह दिनांक 06 मार्च 2026 को बेलरगाँव में संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत चक्रधारी श्री हरि विष्णु जी की पूजा अर्चना के बाद जोहन राम प्रजापति को सभापति मनोनीत कर किया गया, कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का पुष्पाहार/पुष्पगुच्छ व गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। अतिथियों व समाज प्रमुखों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त समाज जनों को संबोधित कर होली त्योहार की सभी को शुभकामनाएं दी गई और होली त्योहार की महत्त्व एवं विशेषता पर प्रकाश डाला गया, उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कुंभकार समाज को दिए जाने वाले शासकीय योजनाओं के लाभ के बारे में चर्चा किया गया, जिसके तहत ग्राम पंचायतों/ नगरीय निकायों से समन्वय बनाकर ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त कर शासन/प्रशासन द्वारा प्रदत्त अवसर का लाभ लेने कहा गया, उपस्थित सदस्यों द्वारा समाज के उत्थान में तन-मन-धन से आगे आने की अपील की गई। साथ ही आगामी 15 मार्च



2026 को ग्राम पंचायत परखंडा, विकासखंड कुरूद में होने वाले धमतरी जिला कुंभकार समाज के वार्षिक अधिवेशन में ज्यादा से ज्यादा संपीया में कार्यक्रम में शामिल होने की सहमती प्रदान की गई, जिसमें धमतरी जिले के समस्त केन्द्रों के समाज जनों समेत राज्यस्तर के पदाधिकारी भी शामिल होने आएंगे। कार्यक्रम में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज के प्रदेश सलाहकार और पूर्व अध्यक्ष कैलाश नाथ प्रजापति, प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व महामंत्री अखिलेश प्रजापति, छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज की महिला प्रदेश

अध्यक्ष हेमलता प्रजापति, धमतरी जिला कुंभकार समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार प्रजापति, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के सदस्य इंद्रेश चांदे, जिला प्रतिनिधि कमलेश प्रजापति, केंद्र प्रधान सिहावा मनोज प्रजापति, सिहावा केंद्र महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष की चमेली प्रजापति, सचिव सुरेश कुमार प्रजापति, जागेश्वर प्रजापति, गणेश प्रजापति, गजेंद्र प्रजापति, भुवन लाल प्रजापति, खेमन प्रजापति, जागेन्द्र प्रजापति, तोरण प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, भूषण प्रजापति, दुर्गा प्रजापति, ऋषि प्रजापति, संतोष प्रजापति, नंदकुमार

प्रजापति, पवन प्रजापति, बलराम प्रजापति, नंद प्रजापति, मन्ना प्रजापति पुरुषोत्तम प्रजापति,धनसिंह प्रजापति, गुलशन प्रजापति,देवेंद्र प्रजापति, श्री महेंद्र प्रजापति यशवंत प्रजापति, अनूप प्रजापति, हेमलाल प्रजापति, तोरण प्रजापति एवं सिहावा परिक्षेत्र के समस्त पदाधिकारी, स्वजातीय माताएं बहने व युवाओं की उपस्थिति में होली मिलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेश कुमार प्रजापति सचिव ने किया, आभार प्रदर्शन श्री खेमन प्रजापति पंच बेलरगाँव द्वारा किया गया।

मोतिमपुर में जुआ खेलते 3 जुआरी गिरफ्तार, 7220 रुपए और ताश की गड्डी जब्त

कवर्धा

पंडरिया पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम मोतिमपुर में जुआ खेल रहे हाथों तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नगदी रकम, ताश की गड्डी और मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की है।

पंडरिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पंडरिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मोतिमपुर में आनंद बघेल के घर के सामने सार्वजनिक स्थान पर कुछ लोग ताश के पत्तों से हारजीत की बाजी लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने तीन जुआरियों को रो हाथों जुआ खेलते पकड़ लिया, जबकि कुछ आरोपी अंधेरे का



फयदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों में आनंद बघेल आयु 37 वर्ष, राज भास्कर आयु 21 वर्ष और धनु बघेल आयु 33 वर्ष शामिल हैं, सभी ग्राम मोतिमपुर थाना पंडरिया जिला कबीरधाम के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 7220 रुपए नगद, 52 पत्ती ताश की गड्डी और दो मोबाइल फोन जप्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत भी पृथक से कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक मोहन खुटे तथा आरक्षक सुनील घृतलहरे, हकुम माथुर, आकाश भोई, राजू चंद्रवंशी, अभिषेक शर्मा और हरनारायण चेलकर का विशेष योगदान रहा।

रानीगांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली मिलन समारोह संपन्न

धमतरी

ग्राम पंचायत रानीगांव और समस्त स्वसहायता समूह अंजनी, रानीगांव, सारंगपुरी के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मानस मंच, अंजनी में आयोजित हुआ, जहाँ क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस भव्य कार्यक्रम की मुष्पति अतिथि के रूप में जनपद सभापति प्रेमलता नागवंशी उपस्थित हुईं।

उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं के सर्वाधिकरण और समाज निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुत्तमंत्रि विष्णु देव साय जी द्वारा महतारी वंदन की 25वीं किस्त मिलने पर बधाइयाँ भी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत रानीगांव के सरपंच कुशलाल चतुर ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में बेलरगांव भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी ठाकरे, मोतीलाल दिवाकर, उपसरपंच चिताराम, सोना



बाई साहू, रामेश्वरी चतुर, मनटोरा बाई देवांगन, रामबाई तिवारी, बिन्दा बाई नेताम, ननकी बाई नेताम, विद्या बाई साहू, सुखिया बाई कुंजाम, जगोती बाई कुंजाम, रेणुका गोसाई, सुलोचना सोम, भानवती नेताम, काति देवी साहू, ईश्वर पाण्डे, महेश पुजारी, रामरतन ध्रुव, काशीराम चौहान, आनंद राम सेन सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ी परंपरा और श्रद्धा के साथ हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गांव की बुजुर्ग महिलाओं का विशेष

सममान किया गया। इस दौरान एक भावुक और समानजनक दृश्य देखने को मिला जब उपस्थित अतिथियों द्वारा बुजुर्ग महिलाओं के पैर दूध और गंगाजल से पखारे गए। महिलाओं की इसी कड़ी में सभी बुजुर्ग माताओं का चंदनवर्दन कर तिलक लगाया गया तथा उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर समानित किया गया। महिलाओं के भरण पोषण वृत्त विवाद और महिला बाल विकास द्वारा चल रही योजनाओं की जानकारी साथ ही आपदा से बचाव को लेकर जानकारी दी गई। ग्राम प्रमुख सरपंच श्रीमती जयंती कश्यप

कोण्डगांव

शिवि डेवलपमेंट सोसाइटी कोंडागांव के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ग्राम पंचायत मर्दापाल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली कर भारत माता की छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर की गई सभी महिलाओं को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी गई शिवि संस्था का परिचय देते हुए उद्देश्य बताया गया महिला क्षमता निर्माण, महिला नेतृत्व करण,आजीविका मिशन पर चर्चा की गई इस कार्यक्रम की मुष्पति अतिथि महिला बाल विकास से महिला संरक्षण अधिकारी सावित्री कोराम के द्वारा अधिकार महिलाओ की भूमिका, लिंगभेदभाव रंगभेद सखी वन स्टफसेंटर 181 में मिलने वाली सुविधा बाल कल्याण समिति कानून अधिकार महिलाओं के भरण पोषण घरेलू विवाद और महिला बाल विकास द्वारा चल रही योजनाओं की जानकारी साथ ही आपदा से बचाव को लेकर जानकारी दी गई। ग्राम प्रमुख सरपंच श्रीमती जयंती कश्यप



के द्वारा शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया घरेलू आपदाओं से बचने के लिए हम महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है संस्था के द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सहरानीय की गई।

मर्दापाल कन्या आश्रम की अधीक्षिका रोमी पात्रे के द्वारा न्याय और कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई सरकार के द्वारा निशुक्त मिल रही सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया जिसमें आश्रम के बच्चों के द्वारा प्रेरणा गीत,नुकड़ नाटक के माध्यम से जनसंदेश

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में परीक्षाओं और योजनाओं की प्रगति पर मंथन



बोर्ड परीक्षाओं की सख निगरानी के निर्देश, अपार आईडी निर्माण और छत्रवृत्ति वितरण में तेजी लाने पर जोर

सूत्रपुर

जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश-बैठक में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के संचालन और निगरानी को लेकर विशेष चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी

विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों का नियमित एवं गहन निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षाओं का संचालन पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ सुनिश्चित ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

आगामी परीक्षाओं की तैयारियों की हुई समीक्षा-बैठक में 16 अप्रैल से प्रस्तावित ओपन स्कूल परीक्षा के संचालन, केंद्रीयकृत कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाओं तथा स्थानीय परीक्षाओं की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रश्न पत्र वितरण, परीक्षा केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति तथा अन्य व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

विद्यालयों के सतत निरीक्षण पर जोर-जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सीएसई के माध्यम से नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही टी.एन. प्रकरणों की जांच में तेजी लाने और लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल-बैठक में डीएमएफके तहत प्रस्तावित पांच वर्षीय कार्ययोजना, विद्यार्थियों को शालिप्रतिशत छत्रवृत्ति वितरण, ईआईएमए के क्रियान्वयन तथा यूएडिआई के अद्यतन और शुद्ध प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को इन सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

अपार आईडी निर्माण के लिए बनाई जाएगी कार्ययोजना-अपार आईडी निर्माण के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इसके लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए। विद्यार्थियों के जन्म प्रमाण पत्र जारी कराने, आधार केंद्रों में आधार सुधार कराने तथा अपार रिकॉर्ड की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, सहायक संचालक शिक्षा, डीएमसी समग्र एवं डीपीओ डीएलएमए उच्चसह सचिव विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में वन अधिकार पट्टा वितरण में हो रहे विलंब के विषय में किया सदन का ध्यानाकर्षण

कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने आज सदन में वनांचल एवं बैगा आदिवासी व ग्रामीण किसानों के हित के अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों को सदन के समक्ष रखा वहीं वन अधिकार पट्टा वितरण में हो रहे विलंब से किसानों को आर्थिक व मानसिक रूप से हो रही परेशानी के विषय में विधानसभा सदन का ध्यानाकर्षण किया। वन अधिकार पट्टा वितरण में हो रहे विलंब से आदिवासी व वनांचल क्षेत्रों में किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलने एवं अपनी फसल बेचने में हो रही समस्या के प्रति भावना बोहरा ने ध्यानाकर्षण करने हुए कहा कि वन में रहने वाला व्यक्ति अगर अपनी ही रमणीयता का मालिक बन सके, तो वन अधिकार कानून का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। जिन लोगों ने पौढों से जंगल की रक्षा की, आज वहीं अपने अधिकार के लिए भटक रहे हैं। वन अधिकार पट्टा वितरण में हो रही विलंब, बल्कि आदिवासी समाज के सममान और सुरक्षा का अधिकार है। अगर पात्र परिवारों को पट्टा नहीं मिलेगा, तो सरकार की योजनाओं का लाभ भी उन तक नहीं पहुंच पाएगा। सरकार को चाहिए कि लंबित और निरस्त दावों की पुनः समीक्षा कर



जल्द से जल्द पात्र लोगों को उनका अधिकार दे। यह केवल एक जिला नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के वनांचल एवं आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लाखों किसानों के हित का विषय है। उन्होंने इस विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सूचना के अधिकार के तहत एक रिपोर्ट के अनुसार वन अधिकार अधिनियम के तहत आवंटित कुल वन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ प्रदेश की हिस्सेदारी देश में सर्वाधिक 43 प्रतिशत है। प्रदेश में अब तक लगभग 5.05 लाख से अधिक वन अधिकार पट्टा वितरित किया गया है। राज्य में अब तक 8.56 लाख से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 4.62 लाख लगभग 52 प्रतिशत दावों को विभिन्न कारणों से अस्वीकृत या निरस्त कर दिया गया है। इन लंबित दावों के कुछ प्रशासनिक व नियम भी इसे प्रभावित कर रहे हैं जो आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिनियम के

अनुसार 13 सितंबर 2005 से पहले 75 वर्षों का रिकॉर्ड वहां के निवासी होने के लिए प्रस्तुत करना होता है जो कि अधिकांश लोगों के पास इतने पुराने लिखित दस्तावेज पेश नहीं कर पाते हैं जिससे आवेदन लंबित या निरस्त हो जाते हैं। इसके साथ ही ग्राम सभा और प्रशासनिक समन्वय, तकनीकी और भौगोलिक बाधाएं, डिजिटलीकरण की धीमी गति, वन और राजस्व विभाग के बीच स्वाभिमानी को लेकर संशय और जागरूकता की कमी भी इसके मुष्पति कारण है। भावना बोहरा ने कबीरधाम जिला के सन्दर्भ में बताया कि कबीरधाम जिले में लगभग 10519 आवेदन इसलिए निरस्त किये गए हैं कि उनके पास 13 दिसंबर 2005 के पूर्व कच्चा संबंधी साक्ष्य नहीं थे।

तो यह चिंतनीय है कि प्रदेश भर में कितने आवेदन निरस्त किए गए होंगे। वहीं पंडरिया विधानसभा में कुल 1817 आवेदन में 216 आवेदन कच्चा व अधिनियम के तहत 09 विन्दुओं की जांच में विभिन्न दस्तावेजों की कमी के कारण निरस्त किये गए हैं। तथा पात्र 1601 लाभार्थियों में से अब तक पूर्ण रूप से धीमी प्रक्रिया के चलते वितरण सम्भव नहीं हो पाया। इससे हो रही परेशानी का उल्लेख करते हुए भावना बोहरा ने बताया कि किसानों के भूमि स्वामी के रूप में पंजीयन नहीं होने की वजह से फसल बीमा, डीबीटी आधारित कृषि योजनाओं का उन्हें लाभ नहीं मिल रहा है वहीं इनपुट सप्लायर्स से भी वे वंचित हो रहे हैं।

कई जिलों में निवासरत आदिवासी, बैगा जनजाति एवं वन निवासियों को पट्टा नहीं मिलने के कारण न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना धान नहीं बेच पा रहे और कम दामों पर उन्हें निजी व्यापारियों को अपना धान बेचने बाध्य हो रहे हैं जिससे उन्हें आर्थिक व मानसिक नुकसान हो

रहा है। प्रदेश में एग्रीस्ट्रेक और किसान डेटाबेस के एकीकरण में भूमि रिकॉर्ड लिंक अनिवार्य किया गया है। (वन अधिकार अधिनियम) पट्टा लंबित होने के कारण बड़ी संख्या में किसानों का एग्रीस्ट्रेक में पंजीयन नहीं हो रहा। भावना बोहरा ने वन अधिकार पट्टा मिलने से किसानों को हो रही समस्या के निराकरण के प्रश्न किया कि क्या सरकार यह बताएगी कि छत्तीसगढ़ में अब तक कुल कितने वन अधिकार पट्टा के आवेदन आए, उनमें से कितने स्वीकृत, कितने निरस्त और कितने लंबित हैं? क्या कारण है कि हजारों पात्र वनवासी परिवारों को आज भी उनका वन अधिकार पट्टा नहीं मिल पाया है, जबकि इसके लिए स्पष्ट कानून मौजूद है? क्या सरकार यह मानती है कि ग्राम सभा की प्रक्रिया और सर्वे में कमियों के कारण कई पात्र लोगों के आवेदन निरस्त हुए हैं? क्या यह सही है कि पट्टा नहीं मिलने के कारण कई वनवासी परिवार कृषि योजनाओं, बैंक ऋण और सरकारी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं?

क्या सरकार उन आवेदनों की पुनः जांच कराने के लिए कोई विशेष अभियान चलाने जा रही है जिन्हें पहले निरस्त कर दिया गया था? क्या सरकार यह बताएगी कि लंबित दावों के निराकरण के लिए कोई समय सीमा तय की जाएगी ताकि पात्र परिवारों को जल्द उनका अधिकार मिले? इन सभी प्रमुख सवालों के साथ उन्होंने वनांचल में रहने वाले बैगा आदिवासी व ग्रामीण किसानों के हित में सदन का ध्यानाकर्षण किया और जल्द से जल्द इस समस्या का निराकरण करने की मांग भी सदन में की, जिसके ज़ीरे में मंत्री जी ने जल्द से जल्द सभी ज़ुटियों को दूर कर आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्र के किसानों की समस्या का समाधान करने आश्रस्त किया।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी, वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व लक्ष्य पूर्ति के निर्देश

वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व विभागीय लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें

बेमेतरा (ज्वाला एक्सप्रेस)। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की नियमित समीक्षा करें और कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी

भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कार्य में शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभाग में संचालित महत्वाकांक्षी एवं जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए लाभार्थियों से फीडबैक भी लिया जाए तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर द्वारा बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, जल संसाधन, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए



आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर सुश्री ममगाई ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब सीमित समय शेष है, इसलिए सभी विभाग अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की सतत समीक्षा करते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए विशेष

प्रयास करें।

उन्होंने विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें और योजनाओं के लक्ष्य हासिल करने के लिए ठोस रणनीति बनाकर कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ही विकास कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को उसका लाभ प्राप्त होगा।

आधार आधारित उपस्थिति नियत समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से नियत समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित न रहें तथा कार्यालयीन अनुशासन का पूर्णतः पालन करें। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने अनुभागों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों को नियमित निगरानी रखें और उनकी समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि कार्यालयीन अनुशासन, समयबद्ध कार्यप्रणाली और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ही प्रशासन की कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा

आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

लखपति दीदी की कहानी - दीदी की जुबानी, स्व सहायता समूह से जुड़कर बदली श्रीमती पुष्पा साहू की जिंदगी

बेमेतरा। जिले के ग्राम नीनवा, विकासखंड बेमेतरा की निवासी श्रीमती पुष्पा साहू आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। कभी आर्थिक तंगी और अभावों में जीवन यापन करने वाली पुष्पा साहू ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश की है। पुष्पा साहू बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी। घर की आजीविका मुख्य रूप से मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित आय के कारण परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। ऐसे कठिन समय में उन्हें ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित महिला स्वयं सहायता समूह की जानकारी मिली और वर्ष 2020 में उन्होंने समूह की सदस्यता ग्रहण की। समूह से जुड़ने के बाद पुष्पा साहू को बचत की आदत, सामूहिक कार्य प्रणाली और आर्थिक प्रबंधन की जानकारी मिली। समूह के माध्यम से उन्हें आरएफ(रेवोलुविंग फण्ड) और सीआईएफ(कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फण्ड) की राशि उपलब्ध हुई। इस राशि का उपयोग करते हुए उन्होंने अपने घर के आसपास बाड़ी विकास (किचन गार्डन) का कार्य प्रारंभ किया। बाड़ी विकास के माध्यम से उन्होंने विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन शुरू किया, जिससे एक ओर परिवार को ताजी और पौष्टिक सब्जियां मिलने लगीं।

समाज के हर व्यक्ति का शिक्षित और जागरूक होना आवश्यक : डॉ. उदय



माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर कोसा नगर बुद्ध भूमि में श्रद्धा सुमन अर्पित

भिलाई। देश की पहली महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक और मराठी कवयित्री सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर कोसा नगर के भिमाई महिला मंडल द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर सावित्रीबाई फुले के कार्यों को याद किया गया। कोसा नगर बुद्ध भूमि में स्थापित माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के पास मंगलवार 10 मार्च की शाम भिमाई महिला मंडल कोसा नगर की समस्त महिलाएं उपस्थित हुईं और शिक्षा की सावित्रीबाई फुले को

प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती तथा अगरबत्ती प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। भिमाई महिला मंडल की अध्यक्ष दानशीला रामटेके ने अपने उद्बोधन में कहा कि अगर सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार नहीं खोले होते तो आज भी महिलाएं अशिक्षित होती। महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खुलने से आज देश की राष्ट्रपति से लेकर अस्पताल और अन्य जगह महिलाएं अपना कार्य बखूबी निभा रही हैं। सावित्रीबाई फुले ने महिला सेवा मंडल की स्थापना की और गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए बाल हत्या प्रतिबंधक गृह खोला। सचिव आयुष्मति कोमल चंद्रिकापुरे ने अपने संबोधन में कहा

कि सावित्रीबाई फुले ने ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर सामाजिक समानता के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की। वे एक कवयित्री थी और उनकी प्रसिद्ध कृतियों में काव्य फुले और बावनकशी सुबोध रत्नाकर शामिल हैं। डॉक्टर उदय धाबर्ड सीएमओ सेक्टर 9 ने इस अवसर पर कहा कि माता सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षा को प्रोत्साहित किया। बाल विवाह सती प्रथा का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह की वकालत की। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि शिक्षा हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरूरी है और समाज के हर व्यक्ति का शिक्षित और जागरूक होना आवश्यक है।

अपनी भावनाओं, दुख और खुशी को व्यक्त करने का सबसे सरल और सशक्त माध्यम हमारी मातृभाषा होती है-डेका

राज्यपाल ने संत शदाराम साहिब भाषा भवन का शिलान्यास किया

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज संत शदाराम साहिब भाषा भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अंतर्गत इनोवेशन एवं इन्व्यूबेशन सेंटर के तहत आयोजित आइडियाथॉन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अपनी भावनाओं, दुख और खुशी को व्यक्त करने का सबसे सरल और सशक्त माध्यम हमारी मातृभाषा होती है। उन्होंने मातृभाषा की समृद्धि और विकास पर बल देते हुए कहा कि मातृभाषा से हम सब का आत्मीय जुड़ाव होता है। किसी अजनान जगह पर जब हम किसी मातृभाषी से मिलते हैं तो उनसे तुरंत एक स्नेह के बंधन में बंध जाते हैं।

हमारा देश अपनी समृद्ध संस्कृति और विविध भाषाओं के लिए जाना जाता है। हमारा देश बहुभाषी होते हुए भी आपस में



एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। इसमें संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारी प्राचीनतम भाषा संस्कृत है। अगर बारीकी से अध्ययन किया जाए तो आप देखेंगे कि संस्कृत भाषा शब्द सभी भारतीय भाषाओं-हिन्दी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, असमिया आदि में सम्मिलित है। हमारी सांस्कृतिक विविधता ही हमारी सबसे बड़ी विशेषता है। श्री डेका ने कहा कि संत शदाराम साहिब भाषा भवन का

शिलान्यास करते समय उन्हें प्रसन्नता हो रही है, सिंधी भाषा संवर्धन की दिशा में यह उल्लेखनीय कदम है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सिंधी भाषा में एक वर्ष का डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जो भाषा को जीवित रखने की दिशा में सराहनीय प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं एवं बोलियां बोली जाती हैं। इनमें से

एक सिंधी भाषा है, जिसमें साहित्य और संस्कृति निरंतर प्रवाहमान है। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद सिंधी समाज के लोग भारत देश का हिस्सा बनकर रह रहे हैं, सिंधी समाज के लोगों ने अपनी मेहनत के दम पर आज संपन्नता हासिल की और समाज ने देश के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का ऐसा कोई राज्य नहीं होगा जहां सिंधी भाषी न रहते हों। छत्तीसगढ़

में भी बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करना अच्छी बात है लेकिन जिस प्रदेश में हम रहते हैं। वहां की भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। तभी समाज में समरसता आती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का इतिहास अत्यंत प्राचीन एवं समृद्ध रहा है। भारतीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक अस्मिता हैं। राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी भाषाएं मिलकर सांस्कृतिक सम्पन्नता को अभिव्यक्त करती हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हमारा कर्तव्य है। हमें मातृभाषाओं तथा भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। आधुनिक तकनीकी से जोड़ने का प्रयास भी आवश्यक है, जिससे आने वाली पीढ़ियों तक इन भाषाओं में समाहित ज्ञान-विज्ञान, इतिहास-विरासत, साहित्य एवं कला-संस्कृति आदि को सहज रूप में हस्तांतरित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डाला शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में महिलाओं के कानूनी अधिकार पर कार्यशाला संपन्न

दुर्ग (ज्वाला एक्सप्रेस)। स्थानीय शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 09 मार्च 2026 को महिलाओं के कानूनी अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय की विशाखा समिति एवं समान अवसर प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सेमिनार हॉल में प्रातः 11:30 बजे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके पश्चात अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में दुर्ग की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती भारती मरकाम तथा सुश्री भाग्यश्री नातू (असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कार्डसिल, दुर्ग) उपस्थित रहीं। दोनों वक्ताओं ने छात्राओं को उनके मौलिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।



कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में समान अवसर प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज द्वारा अत्यंत प्रभावपूर्ण एवं प्रेरणादायी स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित मुख्य अतिथियों, प्राध्यापकगणों एवं छात्र-छात्राओं का हार्दिक स्वागत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध न्यायिक सहायता के प्रति जागरूक करती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान तथा आत्मनिर्भरता की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं।

शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं,

सशक्त भूमिका निभा रही हैं और घर से लेकर कार्यस्थल तक उनकी सहभागिता निरंतर बढ़ रही है।

मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती भारती मरकाम ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण के व्यापक आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सशक्तिकरण केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समाज और पुरुषों की समान भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराधों एवं साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए छात्राओं को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं तथा सावधानियों से अवगत कराया, ताकि वे डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग कर सकें। कार्यक्रम की अगली कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस कार्डसिल सिस्टम की सहायक कानूनी सहायता रक्षा अधिवक्ता सुश्री भाग्यश्री नातू ने महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित विभिन्न विधिक प्रावधानों तथा न्यायालय द्वारा प्रदत्त संरक्षणायुक्त कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता हेतु

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. तरलोचन कौर संधु द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं उत्साहपूर्ण ढंग से किया गया। कार्यशाला के आयोजन में विभिन्न समितियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना एवं समन्वय का दायित्व डॉ. पद्मावती, डॉ. दिव्या मिंज एवं डॉ. मर्सी जॉर्ज द्वारा निभाया गया। मंच व्यवस्था डॉ. मीना मान, डॉ. श्रीराम कुंजाम एवं डॉ. ज्योति धारकर द्वारा की गई। डॉ. राजश्री नायडू द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जबकि अतिथियों का परिचय डॉ. एलजाबेथ भगत एवं डॉ. उषा साहू द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ज्योति धारकर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. ए. के. खान, डॉ. अभिनेश सुराना, डॉ. शकील हुसैन, डॉ. जी.एस. ठाकुर, डॉ. के. पद्मावती सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया।

आईआईटी भिलाई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) स्तरीय 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन



दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मिकों की वाक्-कला एवं तात्कालिक चिंतन क्षमता का विकास करना था। प्रतियोगिता में भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों एवं निर्णायकगणों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

संस्थान के उपकुलसचिव (प्रशासन) एवं हिंदी अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हिंदी के प्रति प्रेम जगाते हैं, बल्कि विभिन्न संस्थानों के बीच एक वैचारिक सेतु का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी शिक्षा और राजभाषा का समन्वय आधुनिक भारत की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के चीफ ऑफ कर्मचारी विकास एवं महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) श्री अमृत्यु प्रियदर्शी जी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन व जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) तथा नराकास भिलाई-दुर्ग के

सचिव श्री राजीव कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रतियोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक उच्च स्तरीय निर्णायक मंडल का गठन किया गया था, जिसमें सुश्री बोन्ना मुखर्जी, महाप्रबंधक (परिचालनाएँ - परियोजना निगोहन एवं अभियांत्रिकी), भिलाई इस्पात संयंत्र, सुश्री पारमिता महांति, महाप्रबंधक, सेल-सीईटी, सुश्री अंजली चौधरी, सहायक प्राध्यापक (भौतिकी विभाग), आईआईटी भिलाई शामिल थे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, भाषा प्रवाह, आत्मविश्वास, तार्किकता और विषयवस्तु की गहराई के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन और समन्वय में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विशेष रूप से श्री सचिन मिश्र, उपकुलसचिव (प्रशासन) एवं हिंदी अधिकारी, आईआईटी भिलाई, संस्थान के प्रशासनिक सलाहकार, श्री सुभाष पांडे एवं अन्य गणमान्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती रेशमा बानो द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, निर्णायक मंडल और विभिन्न संस्थानों से आए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।